# मितानिन पाती

**मितानिन की बातें-मितानिन की ख़बरें**

## शहरी मितानिन विशेषांक

अंक-8 | परिकल्पना एवं निर्माण : राज्य स्वास्थ्य संसाधन केन्द्र, छत्तीसगढ़ | जनवरी-2021

## भावपूर्ण श्रद्धांजली

रामकुमारी सोनी

बिलासपुर शहर की रामकुमारी सोनी ने 2008 में संगठन प्रेरक के रूप में लोगों की सेवा का कार्य शुरू किया। स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं में रूचि और गंभीरता के फलस्वरूप वर्ष 2012 में रामकुमारी का चयन मितानिन प्रेरक के रूप में हुआ। रामकुमारी एक खुशमिजाज, मेहनती और जिंदादिल महिला थी। वर्ष 2020 में कोरोना के दौरान रामकुमारी बिना किसी डर के कोरोना से बचाव और रोकथाम के लिए अपने क्षेत्र में लोगों को जागरूक रही और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती रही। 21/08/2020 को रामकुमारी कोरोना से लड़ते-लड़ते स्वयं भी कोरोना की शिकार हो गई और 03/09/2020 को उनकी मृत्यु हो गई। रामकुमारी के परिवार में अब उनके पति और तीन पुत्र हैं। रामकुमारी के द्वारा लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए किये गये योगदान के लिए मितानिन कार्यक्रम के समस्त साथियों की ओर से रामकुमारी को श्रद्धांजली।

## मितानिन की विभिन्न गतिविधियां

कोरोना काल में मितानिनों के द्वारा अपने समुदाय की सुरक्षा के लिए किये गये कार्यों के लिए शासन द्वारा सम्मानित किया गया -

भाटापारा

दुर्ग

कोरबा

कोरबा

धमतरी

बिरगांव

रायगढ़

# जन स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मितानिन के द्वारा किये गये प्रयास

## मितानिन ने समझाया सिकलिंग का इलाज झाड़ फुक नहीं है (कवरपारा, चिरमिरी)

पारा में परिवार भ्रमण के दौरान मितानिन ललिता दास को एक सिकलिंग के मरीज की जानकारी मिली। मितानिन उनके घर गई तो पता चला की परिवार में एक बच्चे को 8 वर्ष की उम्र से सिकलिंग की समस्या है और अभी वह 11 साल का है। घर वाले बच्चे का इलाज झाड़ फुक से करवा रहे थे। मितानिन ने उन्हें बहुत समझाया की सिकलिंग का इलाज झाड़ फुक से नहीं हो सकता इसके लिए अस्पताल में जाँच करवाकर दवा लेनी होगी। घर वाले डॉक्टर की सलाह लेने को तैयार नहीं थे। मितानिन के बार–बार समझाने पर वे लोग सरकारी अस्पताल न जाकर निजी डॉक्टर को दिखाना चाहते थे। मितानिन ने समिति से बच्चे की समस्या के बारे में बताया तो समिति के सदस्यों ने भी बहुत समझाया तो वे सिम्स में बच्चे को दिखने के लिए तैयार हो गए। सिम्स मेडिकल कालेज में जाँच के बाद बच्चे को SS निकला और बच्चे की दवा चालू कर दी गयी। बच्चे की दवा चालू होने के कुछ दिन के बाद बच्चे की मां ने बोला की वह भी सिकलिंग की जांच करवाना चाहती है। माँ की जाँच में उसे AS निकला और उनकी भी दवा चालू की गयी। इस प्रकार मितानिन के सहयोग से इस परिवार में सभी सदस्यों ने सिकलिंग की जाँच करवाई और दवा खाना चालू कर दिए।

**ललिता दास-मितानिन**

## लाकडाउन के दौरान बालिका में खून की कमी का इलाज मितानिन ने कराया

### (वार्ड क्रमांक 4, सुंदरगंज, नहरपारा, धमतरी)

पारा की मितानिन परिवार भ्रमण के लिए उक गरीब महिला के घर गयी। महिला ने बताया की उसकी 12 वर्षीय बेटी है जो ठीक से खाना नहीं खा रही है। मितानिन ने बच्ची की आँखों, हाथ की ऊँगली और जीभ को देखा तो उसमे हल्का पीलापन दिखाई दिया। मितानिन ने बच्ची को जिला अस्पताल जाँच के लिए ले जाने के लिए बोला परन्तु माँ पैसों को कमी होने की वजह से अस्पताल नहीं जाना चाह रही थी। मितानिन ने महिला आरोग्य समिति से बोलकर पैसों की मदद करवाई और बच्ची को जिला अस्पताल जाँच के लिए ले गयी। जिला अस्पताल में डॉक्टर ने बच्ची की जाँच कर बताया की बच्ची के शरीर में खून की कमी है। जाँच में पता चला की बच्ची के शरीर में केवल 4 ग्राम खून है और खून चढ़ाने के लिए बोला गया। मितानिन खून के लिए ब्लड बैंक गयी परन्तु उन्होंने कह दिया की जब तक कोई खून नहीं जमा करेगा हम खून नहीं देंगे। मितानिन ने चिरायु के डॉक्टरों के सहयोग से खून जमा किया और बच्ची के लिए खून की व्यवस्था की। बच्ची को 5 दिन जिला अस्पताल में भर्ती रखकर खून चढ़ाया गया जिससे खून की मात्रा 4 से 9 ग्राम हुयी। बच्ची अभी स्वस्थ है और मितानिन नियमित बच्ची की देखरेख करती रहती है।

**फुलमनी बंजारे-मितानिन**

## टी.बी. से ग्रसित महिला का मितानिन ने जांच व इलाज करवाया

### (वार्ड क्रमांक 63, मोंगर बस्ती, कोरबा)

पारा में एक 50 वर्षीय गरीब महिला है। इस महिला को बहुत दिनों से खांसी हो रही थी और तबियत ठीक नहीं होने की वजह से वह कुछ काम भी नहीं कर पा रही थी। पारा की मितानिन को परिवार भ्रमण के दौरान महिला के पड़ोसियों ने बताया की पड़ोस में रहने वाली महिला की तबियत ठीक नहीं है। मितानिन तुरंत उस महिला के घर गयी तो महिला ने बताया की उसे दो सप्ताह से अधिक से खांसी है और तबियत ठीक नहीं लग रही है। मितानिन ने दूसरे दिन महिला आरोग्य समिति की बैठक में समिति को उस महिला के बारे में बताया। समिति ने महिला का इलाज करवाने में सहयोग करने का निर्णय लिया। दूसरे दिन मितानिन उस महिला को अपने साथ जांच करवाने के लिए कटघोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गयी। महिला का बलगम जांच के साथ–साथ अन्य सभी जांच भी किया गया। महिला के जांच में टी.बी. निकला। मितानिन ने टी.बी. की पूरी दवा ली और महिला को दवा की पूरी डोज खिलाई और फिर से जांच करवाई। दूसरी जांच में महिला का टी.बी. का टेस्ट परिणाम निगेटिव आया। अब वह महिला स्वस्थ है।

**आशा बिंझवार-मितानिन**

# मितानिने कुष्ठ के प्रति सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर मरीजों का इलाज करवा रही है

### कुष्ठ में निजी अस्पताल की दवा काम नहीं आई (वार्ड क्रमांक 4, गंगा नगर, भनपुरी, रायपुर)

पारा की एक महिला को कुष्ठ की बीमारी थी परन्तु उसने मितानिन को नहीं बताया और किसी निजी अस्पताल से दवा ले रही थी। महिला को जब आराम नहीं मिला तो वह मितानिन के पास गयी और अपनी समस्या बतायी। मितानिन उस महिला को अपने साथ कालीबाड़ी कुष्ठ अस्पताल लेकर गयी और जाँच करवा कर दवा दिलवाई। महिला को पहले से बहुत आराम मिला है और वह हर महीने मितानिन के साथ दवा के लिए अस्पताल जाती है।

**नीता सिन्हा-मितानिन**

### मितानिन ने एक परिवार को किया कुष्ठ मुक्त (मंजगाँव पारा, तिलक नगर वार्ड क्रामंक 16, मुंगेली)

पारा की मितानिन के द्वारा वर्ष 2016 में पारा के एक परिवार के मुखिया में MB कुष्ठ की पहचान की गयी थी और 1 वर्ष तक दवा खिलाने के बाद उसे कुष्ठ मुक्त किया गया। इसी परिवार में इसी वर्ष दो बच्चियों जिनमें से एक की उम्र 9 वर्ष और एक बेटी की उम्र 11 वर्ष थी में PU बीमारी पायी गयी। मितानिन ने उन्हें भी 6 माह तक अपनी निगरानी में दवा खिलाई और कुष्ठ मुक्त किया। इसी दौरान उसी परिवार की एक और बच्ची जिसकी उम्र 8 वर्ष थी में PV के लक्ष्ण मिलने पर मितानिन ने उसकी भी अस्पताल में जाँच करवाई और उसका इलाज चालू करवाया। आज यह परिवार मितानिन के नियमित देखभाल से कुष्ठ मुक्त हो गया है।

**चंद्रकला-मितानिन**

### पत्नि की घर छोड़ने की धमकी के बाद पति कुष्ठ के इलाज के लिए माना (ग्राम-पथर्रा वार्ड क्रामंक 5 चरोदा)

पारा में एक 36 वर्षीय पुरूष रहता है जो की कुष्ठ का मरीज है। मितानिन 2 साल से उसके घर जाती थी और उसे इलाज के लिए समझाती थी परन्तु वह नहीं मानता था। उस पुरुष की दादी को भी कुष्ठ था और वह पूरे 12 माह दवा खाकर कुष्ठ मुक्त हो गयी थी। पुरुष को इलाज के बारे में पूरी जानकरी होने के बाद भी वह इलाज नहीं करवाता था उसके तीन छोटे बच्चे हैं और पत्नी भी साथ में ही रहते हैं। पत्नी ने भी उसे समझाया पर वह नहीं मानता था। एक दिन मितानिन उस आदमी के घर गयी और उसकी पत्नी को बोला की तुम उससे यह झूठ बोलो की अगर तुम कुष्ठ का इलाज नहीं करवाओगे मैं तुमको छोड़कर मायके चली जाउंगी। पत्नी ने अपने पति से ऐसा ही झूठा नाटक किया तो पति इलाज करवाने के लिए मान गया। पुरुष ने दूसरे दिन ही जाँच करवाई और दवा खाना चालू कर दिया।

**दामिनी टंडन-मितानिन**

### मितानिन ने कुष्ठ रोगी को समाज की चिंता छोड़ इलाज करवाने के लिए समझाया (वार्ड क्रमांक 29, शांति नगर, भाटापारा)

परिवार भ्रमण के दौरान मितानिन एक परिवार में गयी तो देखा की परिवार की महिला के हाथ की उंगलिया मुड़ी हुयी है और पैर में घाव हुआ है। मितानिन ने महिला से बातचीत की तो महिला ने बताया की पहले उसकी उंगलिया ठीक थी बाद में धीरे–धीरे ऐसी हो गयी। ज्यादा देर पानी में काम करने के कारण पैर में घाव हो गया। मितानिन ने महिला में लक्षण को देखते हुए उसे कुष्ठ रोग के बारे में बताया और अस्पताल जाकर जाँच करवाने की सलाह दी। मितानिन के जाने के बाद महिला ने अपने पति से बात की तो उसके पति ने इलाज करवाने से यह कहकर मनाकर दिया की लोगों को पता चलेगा, समाज में हमारी बदनामी होगी। दो दिन के बाद मितानिन फिर से महिला से मिलने के लिए आई तो महिला ने उसे अपने पति ने जो कहा वह सब बताया। मितानिन ने महिला को समझाया की समाज में बदनामी के डर से अगर तुम इलाज नहीं करवाओगी तो धीरे–धीरे यह बीमारी तुम्हारे पति और बच्चों में भी हो जाएगी। मितानिन ने उसे जाँच करवाने के लिए एक बार अस्पताल चलने के लिए समझाया तो वह मान गयी और मितानिन के साथ अस्पताल जाकर जाँच करवा ली। जाँच में डाक्टर ने महिला को कुष्ठ होने की जानकारी दी और दवा दी। मितानिन ने महिला को समझया की अब तुम्हें अस्पताल जाना नहीं पड़ेगा मैं हर माह जाकर दवा ले आउंगी। महिला ने पूरी दवा खायी और आज वह कुष्ठ मुक्त हो गयी है।

**प्रिया अनंत-मितानिन, पार्वती वर्मा-मितानिन प्रशिक्षक**

# लाकडाउन में भोजन की सुरक्षा पर मितानिनों महिला आरोग्य समितियों द्वारा किये गये प्रयास



बिलासपुर

नवभारत छत्तीसगढ़ • ओडिशा Korba - 30 Mar 2020 - kor 2

पास न तो राशन कार्ड है और न घर में राशन है, साथ में राशन के लिए पैसे भी को उपलब्ध कराया गया तथा इन जरूरतमंदों को भरपेट भोजन मिला.



## अनाज व सब्जियां देकर की पांच परिवारों की मदद

**कोरबा.** कुसमुंडा क्षेत्र के महिला आरोग्य समिति के सदस्यों ने वार्ड क्रमांक 58 कुचेना मोड़ के पास रहने वाले 5 परिवारों को हरी सब्जियां व अनाज देकर मदद की. मास्क का वितरण किया गया. मितानिन प्रशिक्षक राधा मरावी ने कोविड-19 कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव की जानकारी देकर लॉक डाउन में घर से बाहर नहीं निकलने कहा. हाथों को बार-बार साबुन से धोते रहने से वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने में कारगर बताया. समिति के सदस्यों ने ग्रामीण चीत कुंवर, कृष्णा बाई, लक्ष्मी देवी, इच्छा राम, सुनऊ राम के घर पहुंचकर राशन सामग्री दी. इस दौरान क्षेत्र समन्वयक विजया साहू, मितानिन लूना पटेल भी मौजूद थीं.

### कुली मजदूरी का काम करने वालों परिवार को मितानिन ने राशन से की मदद

**(बलीराम कश्यप वार्ड 43, बाबूलाल गलीपारा, जगदलपुर)**

पारा के टिलूसिंग और पत्नी पारो दोनों रेजा कुली का काम कर अपना जीवन यापन करते हैं। कोरोना के कारण दोनों पति पत्नी का काम छुट गया और राशन कार्ड भी नहीं होने की वजह से दोनों को भोजन की परेशानी होने लगी थी। इसी दौरान एक दिन महिला आरोग्य समिति की एक सदस्य पारो को रोते हुए देखी तो वह उसके पास गयी और रोने का कारण पूछी। पारो ने बताया की काम बंद होने के कारण अब हमारे पास खाने के लिए कुछ भी नहीं है और पैसे भी खतम हो गए हैं। समिति की सदस्य ने पारो के बारे में मितानिन और पार्षद को बताया और उनके लिए सूखे राशन की व्यवस्था की गयी।

**रितु साहू-मितानिन**



महासमुंद



भिलाई

### लाकडाउन में काम से लाचार परिवार की मितानिन और पार्षद ने की मदद

**(अंबेडकर नगर वार्ड क्रमांक 13, शिक्षक नगर, मुंगेली)**

कोरोना के दौरान शिक्षक नगर में सड़क के किनारे रहने वाले परिवार के पास खाने के लिए कुछ नहीं था। इस परिवारों में कुछ बुजुर्ग ऐसे भी थे जिनके पास राशन कार्ड भी नहीं होने की वजह से भोजन की बहुत परेशानी हो रही थी। मितानिन गायत्री साहू ने इस क्षेत्र में रहने वालों से मुलाकात की और उनकी भोजन की समस्या को पहचानते हुए वार्ड के पार्षद से मदद के लिए कहा। वार्ड पार्षद और मितानिन ने तीन दिन तक इन परिवारों को गर्म पका भोजन खिलाया और उसके बाद नगर पालिका की ओर से सुखा राशन जिसमें दाल चावल, तेल सब्जी, मसाला और साबुन की व्यवस्था की गयी। इसके साथ ही साथ जिन परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं था मितानिन ने उनकी आवश्यकता को देखते हुए उन्हें व्यक्गित रूप से 40 किलो चावल और 300 रूपए की मदद की गयी।

**गायत्री साहू-मितानिन**

रिचमिरी

### लाकडाउन में बेरोजगार हुए परिवार के लिए मितानिन ने की राशन की व्यवस्था (वार्ड क्रमांक 16, कुरूद, भिलाई)

अटल आवास कुरूद में झिल्ली बीनने वाले एवं कैंची धार करने वाले बहुत से गरीब परिवार रहते हैं जिन्हें लाकडाउन के दौरान रोजी रोटी कमाने में बहुत परेशानी आ रही थी। पारा की मितानिन जानती थी की यहाँ बहुत गरीब लोग रहते हैं तो उसने लाकडाउन के दौरान महिला आरोग्य समिति के सदस्यों के साथ मिलकर सबके घर का हालचाल पूछा और कोरोना से बचाव के सभी उपाय समझाए। इसके साथ ही साथ 900 परिवारों को सूखा राशन देकर भूख से बचाया।

**श्यामली श्रीवास्तव-मितानिन**

### मितानिन ने रोज कमाने खाने वाले परिवार को निगम से भोजन की मदद दिलवाई

**(वार्ड क्रमांक 34, कंडरा पारा, दुर्ग)**

पारा में एक सुखी राम बंधू नाम का व्यक्ति रहता है जो की बस स्टैंड में बस धोने का काम करता था। लाकडाउन होने पर सभी बस गाड़ी बंद हो गयी तो सुखी राम का काम भी बंद हो गया। सुखी राम के पास अपने घर चलाने के लिए कोई साधन नहीं था। पारा की मितानिन को जब सुखी राम के बारे में पता चला तो उसने तुरंत अपने घर से चावल और सब्जी ले जाकर सुखीराम के घर में दी। इसके बाद पार्षद को सुखीराम के परिवार को मदद की जरूरत के बारे में बताया। अगले दिन से रोज सुखी राम के परिवार के लिए निगम से दो वक्त का भोजन मिलने लग गया।

**बिंदु राजपूत-मितानिन**

### कैंसर पीड़ित परिवार को मितानिन ने दिया राशन (बाबा बूढ़ा महादेव मठपारा क्रमांक 11, कबीरधाम)

पारा में एक परिवार रहता है जिसमे मां और बेटी रहते हैं। पिता की कैंसर की वजह से कुछ समय पहले मृत्यु हो गयी थी और मां भी कैंसर से पीड़ित थी जिनका इलाज रायपुर में चल रहा था। इस परिवार में पिता अकेले कमाने वाले थे जिनके जाने के बाद मां और बेटी के लिए भोजन की बहुत समस्या हो गयी थी। घर चलाने में भी बहुत मुश्किल हो रही थी। मितानिन और महिला आरोग्य समिति के सदस्य मां–बेटी की समस्या को समझते हुए उनके लिए कुछ आर्थिक मदद किये और पार्षद के सहयोग से उनके लिए राशन की व्यवस्था किये हैं।

# कोरोना के दौरान लाकडाउन में मितानिनों ने की गर्भवती महिलाओं की मदद

## कोरोना के दौरान बंद में मितानिन ने गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण और पंजीयन करवाया

**वार्ड क्रमांक 36, नागेश्वर नगर, बिरगांव, रायपुर**

नागेश्वर नगर की मितानिन के द्वारा अपने पारा में 7 गर्भवती की पहचान की गयी। मितानिन ने जब उनका पंजीयन और टीका लगवाने का प्रयास किया तो वहां की ए.एन.एम. ने बोल दिया की बिरगांव में कोरोना का मरीज मिला है इसलिए किसी को टीका नहीं लगेगा और पंजीयन भी नहीं होगा और जिसको ज्यादा जल्दी है वे निजी अस्पताल में जाकर टीका लगवा लो। मितानिन उन सब गर्भवती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गयी। वहां भी बोल दिया गया की बिरगांव के किसी भी व्यक्ति का इलाज अभी नहीं करेंगे क्योंकि बिरगांव में कोरोना के मरीज हैं। मितानिन ने इस बात की जानकारी अपनी क्षेत्रीय समन्वयक को दी। क्षेत्रीय समन्वयक ने सी.पी.एम. मैडम को फोन किया तो मितानिन से 104 में फोन कर शिकायत करने को कहा। मितानिन ने 104 में फोन किया तो किसी ने फोन नहीं उठाया। मितानिन ने फिर अपनी ए.सी. को इस बात की जानकरी दी। ए.सी. ने फिर ए.एन.एम. को फोन करके पूछा की गर्भवती का पंजीयन और टीका क्यों नहीं लग रहा है अगर आप नहीं लगाओगे तो इसकी शिकायत करेंगे। ए.एन.एम. ने दूसरे दिन सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन किया और टीका लगाया।

**संतोषी साहू-मितानिन**

## कोरोना की जाँच रिपोर्ट नहीं मिलने के करण गर्भवती को एक अस्पताल से दसरे अस्पताल घूमना पड़ा

**वार्ड क्रमांक 14 तालापारा क्षेत्र, भारत चौक, बिलासपुर**

पारा की मितानिन पार्वती कुर्रे ने अपने पारा की एक गर्भवती की पूरी 4 जाँच जिला अस्पताल में करवाई थी। दिनांक 2 जून 2020 को गर्भवती को प्रसव पीड़ा शुरू हुयी और पानी जाना भी चालू हो गया। मितानिन गर्भवती को जिला अस्पताल लेकर गयी तो डॉक्टर ने जाँच कर बताया की पेट में बच्चे ने मल त्याग दिया है और उसे सिम्स रेफर कर दिए। मितानिन गर्भवती को सिम्स लेकर गयी जहाँ सबसे पहले गर्भवती का कोरोना टेस्ट किया गया और फिर प्रसव रूम में शिफ्ट कर दिए। प्रसव रूम में ले जाने के बाद नर्स ने बताया की यहाँ ऊपर और नीचे कोरोना के मरीज है इसलिए गर्भवती को निजी अस्पताल ले जाओ। मितानिन गर्भवती को रात के 12 बजे गाँधी चौक स्थित शहरी दवाखाना लेकर गयी। यहाँ भी डॉक्टर ने जाँच कर बताया की बच्चा पेट में मल कर दिया है इसलिए इसे सिम्स लेकर जाओ। मितानिन गर्भवती को मारिया सहायता केंद्र लेकर गयी। यहाँ भी गर्भवती को भर्ती नहीं लिया गया। मितानिन गर्भवती को फिर से सिम्स लेकर गयी। सिम्स में डॉक्टर भर्ती नहीं करना चाह रहे थे बहुत टाल मटोल कर रहे थे परन्तु मितानिन ने अपनी जिम्मेदारी पर गर्भवती को भर्ती करवाया। दूसरे दिन सुबह 7 बजे डेढ़ किलो की बच्ची का जन्म हुआ। जन्म के बाद बच्ची को एस.एन.सी.यू. में रखा गया और डॉक्टर ने मितानिन से बच्चे को कटोरी और चम्मच से दूध पिलाने की सलाह दी। मितानिन जब बच्ची को दूध पिलाने गयी तो देखा की बच्ची के कान मुड़े हुए है और जाँच में पता चला की बच्ची की सुनने की क्षमता कम है। डॉक्टर ने बच्ची के घर वालों को समझाया की उम्र के साथ सुनने की क्षमता ठीक हो जाएगी और 1 माह बाद जाँच करेंगे।

**पार्वती कुर्रे-मितानिन**

## लाकडाउन में मितानिन ने एम्बुलेंस में करवाया प्रसव (सुंदरगंज नहर पारा, वार्ड क्रमांक 4, धमतरी)

पारा की गर्भवती 29 वर्षीय रेखा गुप्ता का प्रसव का समय नजदीक आ गया था। बुधवार के दिन रेखा को प्रसव पीड़ा शुरू हुयी। परिजन सुबह होने का इंतजार कर रहे और जैसे ही सुबह हुई वे तुरंत मितानिन को बुलवाए। मितानिन ने 108 और 102 में फोन लगाया परन्तु गाड़ी नहीं मिली। लाकडाउन के दौरान मितानिन ने मरीज को ले जाने के लिए चार बार पहले भी 108–102 गाड़ी की सुविधा नहीं मिल पायी थी इसलिए मितानिन ने अपने ही पारा में एक निजी गाड़ी वाले से जरुरत पड़ने पर मदद करने के लिए बात कर रखी थी। मितानिन ने तुरंत उस गाड़ी वाले को फोन करके बुलवाया। रेखा की प्रसव पीड़ा तब तक और ज्यादा बढ़ गयी थी। मितानिन रेखा को जिला अस्पताल लेकर गई। जिला अस्पताल के गेट के पास जैसे ही गाड़ी रुकी रेखा का प्रसव होना शुरू हो गया। अस्पताल की नर्स और आया के साथ मितानिन ने फिर एम्बुलेंस में ही रेखा का प्रसव करवाया।

**फूलमणि बंजारे-मितानिन**

# मितानिन का बी.पी. ज्ञान, बचा रहा लोगों की जान

### मितानिन ने बी.पी. मरीज की पहचान की और उसे सही खान-पान की सलाह दी (शिव नगर, चंगोराभाटा, रायपुर)

शिव नगर के मितानिन मालती सिन्हा को बी.पी. जाँच का प्रशिक्षण मिला था। प्रशिक्षण के बाद मालती पारा में लोगों का समय–समय पर बी.पी. का जाँच करती थी। एक दिन मालती परिवार भ्रमण के लिए निकली और एक दीदी के घर गयी और उनका हालचाल पूछने के बाद उनका बी.पी. जाँच की तो दीदी का बी.पी. 200/96 निकला। इतना बढ़ा हुआ बी.पी. देख मितानिन ने 2–3 बार फिर से बी.पी. चेक किया लेकिन हर बार बी.पी. बढ़ा हुआ ही दिख रहा था। मितानिन दीदी को तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजी। पी.एच.सी. में दीदी की बी.पी. जाँच की गयी और बढ़ा हुआ बी.पी. देखने के बाद बी.पी. की दवा चालू की गयी। दीदी के घर आने के बाद मितानिन दीदी के घर गयी और उन्हें कम नमक, कम तेल और कम मिर्च मसाला और हरे पत्तेदार सब्जी खाने की सलाह दी। दूसरे दिन मितानिन ने फिर से दीदी का बी.पी. जाँच किया तो बी.पी. समान्य हो गया।

**मालती सिन्हा-मितानिन**

### मितानिन की समझदारी से बी.पी. पीड़ित परिवार का सही समय पर इलाज चालू हुआ (भट्टा पारा वार्ड क्रमांक 45, गौरी गली, अंबिकापुर)

पारा में एक चार सदस्यों का परिवार रहता है जिसमें तीन महिला और एक पुरूष है। इस परिवार के सभी सदस्य ज्यादातर समय बीमार रहते थे। जैसे थोड़ा सा चलने पर पर साँस फूलना, घबराहट, और थकान महसूस होना। पारा की मितानिन उन्हें परिवार भ्रमण के दौरान खानपान, आराम और व्यायाम की सलाह के साथ ही अस्पताल चलकर जांच करवाने के लिए समझाती थी परन्तु वे अस्पताल नहीं जाना चाहते थे। इसी दौरान मितानिनों को बी.पी. मशीन पर प्रशिक्षण दिया गया और सभी नितानिनो को बी.पी. मशीन दी गयी। बी.पी. मशीन मिलने के बाद पारा की मितानिन उस परिवार के घर परिवार भ्रमण के लिए गयी और चारों सदस्यों के बी.पी. की जांच की। जाँच में चारों सदस्यों का बी.पी. 160/95 से 180/100 के बीच निकला। मितानिन ने जैसा की प्रशिक्षण में सीखा था की बी.पी. बढ़ने से लकवा, दिल का दौरा, किडनी की बीमारी हो सकती है और जान का खतरा भी हो सकता है की जानकरी चारों सदस्यों को दी। मितानिन की बात सुनने के बाद चारों सदस्य मितानिन के साथ हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर गए। डाक्टर ने चारों की शुगर की भी जाँच की और बी.पी. की दवा उन्हें दी और साथ में यह भी समझाया की यह दवा नियमित खाना है बंद नहीं करना है नहीं तो खतरा दोगुना हो सकता है। चारों सदस्यों ने मितानिन को अपनी जान बचाने के लिए धन्यवाद दिया।

**सीता दास-मितानिन**

### मितानिन ने सही समय पर बी.पी. के मरीज की जाँच की और अस्पताल पहुँचाया (वार्ड क्रमांक 10. रावांभाठा, शिव मंदिर चौक, बिरगांव)

परिवार भ्रमण के दौरान मितानिन देहुती अपने पारा में लोगों को बी.पी. की जाँच की जानकरी दे रही थी। परिवारों से मिलते हुए वह खुम्मन साहू के घर भी गयी। खुम्मन साहू के घर जाने पर मितानिन को खुम्मन ने बताया की खुम्मन को बहुत चक्कर आ रहा है और थकान भी लग रही है। मितानिन ने तुरंत खुम्मन के बी.पी. की जाँच की जिसमें बी.पी. बढ़ा हुआ बताया और उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जाने के लिए कहा। खुम्मन को घर वाले तुरंत सी.एच.सी. लेकर गए जहाँ डॉक्टर ने जाँच कर बी.पी. बढ़ा हुआ होने की पुष्टि की और यह भी कहा की सही समय पर आप आ गए नहीं तो कुछ भी हो सकता था। खुम्मन ने घर आने के बाद मितानिन के घर जाकर उसका धन्यवाद किया। मितानिन ने खुम्मन को नियमित दवा खाने की सलाह दी। खुम्मन अब नियमित दवा खा रहा है।

**देहुती वर्मा-मितानिन**

### बी.पी. की जाँच समय पर करवानी चाहिए (शिवनगर, कांकेर)

पारा में एक महिला रहती है जिसकी तबियत कभी–कभी ठीक नहीं रहती थी। पारा की मितानिन उसे हेल्थ एन्ड वैलनेस सेंटर में जाँच करवाने जाने के लिए बोलती थी परन्तु वह नहीं जाती थी। वह मितानिन को बोलती थी की मुझे कुछ नहीं है तो क्यों अस्पताल जाऊं। इसी दौरान उस महिला के बेटे की बी.पी. की वजह से मृत्यु हो गयी। महिला को बहुत बड़ा सदमा पहुंचा और उसे मितानिन की बात याद आई की 30 साल के बाद बी.पी. की जाँच सभी को करवानी चाहिये। इसी दौरान सभी मितानिनों को बी.पी. मशीन से बी.पी. जाँच करने का प्रशिक्षण दिया गया और अपने क्षेत्रो में लोगों के बी.पी. की जाँच के लिए बी.पी. की मशीन भी दी गयी। शिवनगर की मितानिन को भी बी.पी. मशीन मिलने के बाद वह महिला के घर गयी और उनका भी बी.पी. जाँच की। महिला का बी.पी. 177/111 निकला। मितानिन ने महिला को बताया की आपका बी.पी. बहुत बढ़ा हुआ है इसलिए आपको डाक्टर के पास जाँच और दवा के लिए जाना चाहिये। महिला ने मितानिन की बात मानी और डॉक्टर के पास गयी। डाक्टर ने महिला को बी.पी. का मरीज बताया और उसे दवा दी। मितानिन महिला का बी.पी. जाँच करती रहती है और उसे नियमित दवा खाने की सलाह देती रहती है।

# स्वस्थ समाज बनाने में समितियां निभा रही अपनी जिम्मेदारी

## सौतेले माता-पिता के व्यव्हार से पीड़ित बालिका को मितानिन ने सुरक्षित बालिका गृह पहुंचाया
### विश्रामपुर वार्ड क्रमांक 60, गेवरा बस्ती कोरबा

पारा में एक 15 वर्षीय बालिका रहती थी जिसके माता पिता की मृत्यु के बाद वह अपने सौतेले माता–पिता के साथ रहती थी। सौतेले माता–पिता और भाई बहन उसके साथ बहुत बुरा व्यवहार करते थे, उसके साथ मार–पीट भी करते थे और दिन में 1 ही बार उसे खाना देते थे। एक दिन बालिका के सौतेला भाई ने उसके साथ छेड़छाड़ की तो बालिका ने अपने सौतेले पिता को बताया। सौतेले पिता ने उसकी मदद करने की जगह उसे मारा पीटा और घर से निकाल दिया। पारा की मितानिन सरस्वती महंत को जैसे ही पता चला वह अपने क्षेत्र की मितानिन प्रशिक्षक और क्षेत्रीय समन्वयक के साथ बालिका के सौतेले माता–पिता को समझाने गई। बालिका के घर वाले कोई बात नहीं सुने और उसके कपड़े बाहर फेंक दिए और बालिका को भी घर से बाहर कर दिया। मितानिन ने 181 में शिकायत की और मितानिन और क्षेत्रीय समन्वयक बालिका को अपने साथ बालिका गृह लेकर गए। बालिका गृह में कोरोना संक्रमण के डर से 14 दिन जिला अस्पताल में बालिका को रहने के लिए बोला गया। क्षेत्रीय समन्वयक बालिका को जिला अस्पताल में भेजने से अच्छा अपने घर में रहना ठीक समझा। दूसरे दिन क्षेत्रीय समन्वयक ने मितानिन के सामने चाईल्ड हेल्प लाईन न. पर फोन किया और सुरक्षित तरीके से बालिका गृह भेजा। दूसरे दिन मितानिन और क्षेत्रीय समन्वयक बालिका गृह में बालिका से मिलने के लिए गए तो वह बिल्कुल ठीक थी।

**सरस्वती महंत-मितानिन, नम्रता ठाकुर-मितानिन शिक्षक, विजय साहू-क्षेत्रीय समन्वयक**

## मितानिन और समिति ने मिलकर पारा के लोगों को डेंगू से बचने के लिए किया जागरूक
### सिविल लाईन्स, वार्ड क्रमांक 7, जगदलपुर

वार्ड की एक महिला को डेंगू हुआ। मितानिन को जैसे ही पता चला उसने ए.एन.एम. को खबर की। ए.एन.एम. ने अपनी टीम के साथ आकर पूरे वार्ड में लोगों की डेंगू की जाँच की जिसमें लोगों का खून का सैम्पल लेकर जाँच के लिए भेजा। जाँच में जिसको भी डेंगू निकला सभी को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया। वार्ड की मितानिनों और महिला आरोग्य समिति के सदस्यों द्वारा वार्ड में लोगों को डेंगू के बारे में जागरूक किया जिसमें उन्होंने समझाया कि डेंगू मच्छर काटने से होता है, डेंगू का मच्छर साफ पानी में पैदा होता है, दिन के समय में काटता है और इससे बचने के लिए घर व आस पास में पानी जमा होने नहीं दे, पूरा कपड़ा पहने, मच्छरदानी लगाकर सोएं, नारियल के तेल में कपूर मिलाकर लगाए। इसके साथ ही साथ सभी ने मिलकर पूरे वार्ड के घर में जा–जा कर जमा पानी को साफ किया।

**तबस्सुम कुरैशी-मितानिन**

## पीलिया के मरीज ने निजी अस्पताल के इलाज को छोड़ सरकारी अस्पताल में करवाया इलाज
### वार्ड क्रमांक 22, बिरगांव

पारा का संजय विश्वकर्मा पाईप फिटिंग का काम कर अपने परिवार का पालन पोषण करता है। एक दिन संजय को काम के दौरान शरीर में दर्द हुआ तो उसने मेडिकल से दवा लेकर खा ली। जब तक दवा का असर रहता था संजय को ठीक लगता था परन्तु जैसे ही दवा का असर समाप्त होता था उसे बुखार जैसे लगने लगता था। संजय ने वार्ड के ही एक डॉक्टर को दिखाया तो डॉक्टर ने दवा दी और इंजेक्शन भी लगाया परन्तु संजय को कोई आराम नहीं मिला। संजय ने फिर बिरगांव के एक निजी नर्सिंग होम में डॉक्टर को दिखाया तो उसे भर्ती कर लिया गया। इस अस्पताल में डॉक्टर ने जाँच के बाद पीलिया हो गया है बताया। इस अस्पताल में संजय का इलाज करवाने में जमीन बिक गयी और 3–4 लाख रूपए खर्च हो गए परन्तु संजय को कोई आराम नहीं मिला। निजी अस्पताल वालो ने संजय को मेकाहारा रेफर कर दिया। पारा की मितानिन दुलारी के सहयोग से संजय मेकाहार में भर्ती हुआ। मेकाहारा में संजय की फिर से पूरी जाँच की गयी। यहाँ भी जाँच में संजय को पीलिया बताया गया। मेकाहारा में संजय का इलाज चालू किया गया और यहाँ संजय और उसके साथ रहने वाले को खाना मिलता था। 15 दिन तक संजय का इलाज चला और वह बिल्कुल ठीक हो गया। संजय को पछतावा है की वह अगर पहले ही इलाज के लिए मेकाहारा चला गया होता तो उसकी जमीन नहीं बिकती और 3–4 लाख रूपए भी बच जाता।

**दुलारी साहू-मितानिन**